

Structured Reactive Programming with Céu

Francisco Sant'Anna Noemi Rodriguez Roberto Ierusalimschy
Departamento de Informática — PUC-Rio, Brasil
{fsantanna,noemi,roberto}@inf.puc-rio.br

ABSTRACT

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	5
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	---

Categories and Subject Descriptors

D.3.3 [Programming Languages]: Language Constructs and Features

General Terms

Design, Languages

Keywords

Concurrency, Determinism, Esterel, Imperative, Structured Programming, Synchronous, Reactivity

1. INTRODUCTION

Reactive applications interact continuously and in real time with external stimuli from the environment. They represent a wide range of software areas and platforms: from games in powerful desktops, “apps” in capable smart phones, to the emerging internet of things in constrained embedded systems.

Research on special-purpose reactive languages dates back to the early 80’s with the co-development of two complementary styles [4, 18]: The imperative style of Esterel [6] organizes programs with structured control flow primitives, such as sequences, repetitions, and parallelism. The dataflow style of Lustre [13] represents programs as graphs of values, in which a change to a node updates its dependencies automatically.

In recent years, Functional Reactive Programming [21] modernized the dataflow style and became mainstream, deriving a number of languages and libraries, such as Flapjax [16], Rx (from Microsoft), React (from Facebook), and Elm [7]. In contrast, the imperative style of Esterel did not follow this trend and is now confined to the domain of real-time embedded control systems.

As a matter of fact, imperative reactivity is now often associated to the *observer pattern*, typical in object oriented systems, because it heavily relies on side effects [15, 19]. However, short-lived callbacks (i.e., the observers) eliminate any vestige of structured programming, such as support for long-lasting loops and automatic variables [3], which are elementary capabilities of imperative languages. In this sense, callbacks actually disrupt imperative reactivity, becoming “our generation’s goto” [9, 8, 11].

In this work, we revive the imperative style of Esterel, which we now refer as *Structured Reactive Programming (SRP)*. SRP extends the classical hierarchical control constructs of *Structured Programming (SP)* (i.e., concatenation, selection, and repetition [10]) to support continuous interaction with the environment. In practical terms, SRP provides two extensions to SP: an “`await <event>`” statement that suspends a line of execution until the referred event occurs, keeping all context alive; and parallel constructs that compose multiple lines of execution and make them concurrent. The `await` statement represents the imperative and reactive nature of SRP, recovering sequential execution lost with the observer pattern. Parallel compositions¹ allow for multiple `await` statements to coexist, which is necessary to handle concurrent events, common in reactive applications.

We advocate SRP through the Esterel-based language C  U [20], a contemporary outlook of imperative reactivity that aims to expand it from the rigid embedded domain. We believe that the excessively rigorous semantics of Esterel, whose focus is on static safety guarantees, is not suitable for other reactive application domains, such as GUIs, games, and distributed systems. The lack of abstractions with dynamic lifetime makes difficult to deal with virtual resources such as graphical widgets, game objects, and network transactions, we need a form of abstraction

¹We use the term *parallel composition* as a synonym for *lexical side-by-side composition*, which does not imply many-core parallel execution.

Our main contribution is a new abstraction mechanism for CÉU, the *organisms*, that encapsulate parallel compositions with an object-like interface. In brief, organisms are to SRP like procedures are to SP, i.e., one can abstract a portion of code with a name and manipulate (call) that name from multiple places. There are, however, additional challenges that apply to organisms:

- Organisms are themselves alive, acting as subprograms with continuous data and control state.
- Organisms are part of a concurrent program that can manipulate and affect their data and execution state.
- Organisms can be dynamically allocated, requiring a memory management model that must also apply to embedded systems.

The rest of the paper is organized as follows: Section 2 presents SRP through CÉU, with its underlying synchronous concurrency model, powerful parallel compositions, and the organisms abstraction. Section 4 discusses related work. Section 5 concludes the paper and makes final remarks.

2. STRUCTURED REACTIVE PROGRAMMING WITH CÉU

CÉU is a concurrent language, in which its lines of execution, known as *trails*, react continuously to external stimuli, all together in synchronous steps. Figure 1 shows a compact reference of CÉU.

The introductory example of Figure 2 starts two trails with the `par` construct: the first (lines 4-8) increments variable `v` on every second and prints its value on screen; the second (lines 10-13) resets `v` on every external request to `RESET`. Programs in CÉU can access *C* libraries of the underlying platform by prefixing symbols with an underscore (e.g., `_printf(<...>)`).

2.1 Synchronous concurrency

In the synchronous execution model of CÉU, a program must react completely to an occurring event before handling the next. A reaction represents a logical instant in which all trails awaiting the occurring event awake and execute, one after the other, until they await again or terminate. During a reaction, the environment is invariant and does not interrupt the running trails². If multiple trails react to the same event, the scheduler employs lexical order to preserve determinism, i.e., the trail that appears first in the source code executes first. To avoid infinite execution for reactions, CÉU ensures that all loops have `await` statements on their bodies [20].

As a result of synchronous execution, all operations to variable `v` in Figure 2 are atomic, because reactions to `1s` and `RESET` can never interleave. In contrast, in an asynchronous model with nondeterministic scheduling, the occurrence of `RESET` could preempt the first trail during an increment to `v` (line 6) and reset it (line 12) before printing it (line 7), characterizing a race condition on the variable. The example illustrates the (arguably simpler) reasoning about concurrency aspects under the synchronous execution model.

²The actual implementation enqueues incoming input events to process them in further reactions.

```
// DECLARATIONS
input <type> <id>;           // external event
event <type> <id>;           // internal event
var <type> <id>;             // variable

// EVENT HANDLING
await <id>;                  // awaits event
emit <id> => <exp>;          // emits event

// COMPOUND STATEMENTS
<...> ; <...> ;               // sequence
if <...> then <...>           // conditional
    else <...> end
loop do <...> end             // repetition
    break                    // (escape repetition)

// PARALLEL COMPOSITIONS
par/and do <...>              // rejoins on both sides
    with <...> end
par/or do <...>               // rejoins on any side
    with <...> end
par do <...>                  // never rejoins
    with <...> end

// C INTEGRATION
_f();                         // C call (prefix `_' )
finalize <...>               // finalization
    with <...> end

// ORGANISMS
class <T> with
    <interface>
do
    <body>
end
```

Figure 1: Syntax of CÉu.

```
1  input void RESET;          // declares an external event
2  var int v = 0;
3  par do
4      loop do                // 1st trail
5          await 1s;
6          v = v + 1;
7          _printf("v = %d\n", v);
8      end
9  with
10     loop do                // 2nd trail
11         await RESET;
12         v = 0;
13     end
14 end
```

Figure 2: Introductory example in CÉu.

The synchronous model also empowers SRP with an *orthogonal abortion* construct that simplifies the composition of activities³. Orthogonal abortion is the ability to abort an activity from outside it, without affecting the overall consistency of the system (e.g., properly releasing global resources). Figure 3 shows the `par/or` construct of CÉU to compose trails and rejoin when either of them terminates, properly aborting the other. The `par/or` is regarded as orthogonal because the composed trails do not know when and how they are aborted (i.e., abortion is external to them). In the figure, each trail has a set of local variables and an execution body that lasts for an arbitrary time. After the `par/or` rejoins, a new set of local variables goes alive, reusing the space from the trails' locals going out of scope.

³We use the term activity to generically refer to a language's unit of execution (e.g., *thread*, *actor*, *trail*, etc.).

```

par/or do
  // trail A
  <local-variables-A>
  <body-A>
with
  // trail B
  <local-variables-B>
  <body-B>
end
<local-variables-rejoin>
<body-rejoin>

```

Figure 3: A `par/or` composes two concurrent trail and rejoins when one terminates, aborting the other.

Abortion in asynchronous languages is challenging [5], because the activity to be aborted might be on a inconsistent state (e.g., holding pending messages or locks). The language runtime needs to wait for the activity to be consistent before aborting it, but what results in two unsatisfactory semantics for a hypothetical `par/or`: either wait to rejoin, making the program unresponsive to incoming events for an arbitrary time; or rejoin immediately and wait in the background, which may cause race conditions with the subsequent code. Immediate rejoin also leads to heap-based allocation (which is discouraged in the context of embedded systems), because activities may coexist with the subsequent code for some time.

As matter of fact, asynchronous languages do not provide effective abortion: *CSP* only supports a composition operator that “*terminates when all of the combined processes terminate*” [14]; *Java*’s `Thread.stop` primitive has been officially deprecated [17]; *pthread*’s `pthread_cancel` does not guarantee immediate cancellation [2]; *erlang*’s `exit` either enqueues a terminating message (thus not immediate), or unconditionally terminates the process (regardless of its state) [1]. Instead, asynchronous activities typically agree a on common protocol to abort each other (e.g., through shared state variables or message passing), increasing coupling among them with concerns that are not directly related to the problem specification.

Synchronous languages, however, provide accurate control over the life cycle of concurrent activities, because in between every reaction, the whole system is idle and consistent [5]. In Section 2.2 we show how CÉU deals with abortion of trails that use stateful resources from the environment, such as file handling and network transmissions.

2.2 Parallel compositions

In terms of control structures, SRP extends SP with parallel compositions, allowing applications to handle multiple events concurrently. CÉU provides three parallel constructs, which vary on how they rejoin: a `par/and` rejoins when all trails in parallel terminate; a `par/or` rejoins when any trail in parallel terminates; a `par` never rejoins (even if all trails in parallel terminate).

The example of Figure 4 compares the `par/and` and `par/or` compositions side by side. The code `<...>` represents a complex behavior with any degree of nested compositions. In the `par/and` variation, the behavior repeats every second at minimum, because both sides must terminate before re-executing the loop. In the `par/or` variation, if the behavior

<pre> // sampling pattern loop do par/and do <...> with await 1s; end end </pre>	<pre> // timeout pattern loop do par/or do <...> with await 1s; end end </pre>
--	--

Figure 4: The *sampling* and *timeout* patterns using parallel compositions.

```

1  input void START, STOP, RETRANSMIT;
2  loop do
3    await START;
4    par/or do
5      await STOP;
6      with
7        loop do
8          par/or do
9            await RETRANSMIT;
10           with
11             await <rand> s;
12             par/and do
13               await 1min;
14               with
15                 <send-beacon-packet>
16               end
17             end
18           end
19         with
20           <...> // the rest of the protocol
21         end
22       end

```

Figure 5: Parallel compositions can describe complex state machines.

does not terminate within 1 second, it is restarted. These SRP archetypes represent, respectively, the *sampling* and *timeout* patterns, which are typical of reactive applications.

The code in Figure 5 relies on hierarchical `par/or` and `par/and` compositions to describe the state machine of a protocol for sensor networks ported to CÉU [12, 20]. The input events `START`, `STOP`, and `RETRANSMIT` (line 1) represent the external interface of the protocol with a client application. The protocol enters the top-level loop and awaits the starting event (line 3). Once the client application makes a start request, the protocol starts three other trails: one to await the stopping event (line 5); one to periodically transmit a status packet (lines 7-18); and one with the remaining functionality of the protocol (collapsed in line 20). As compositions can be nested, the periodic transmission is another loop that starts two other trails (lines 8-17): one to handle an immediate retransmission request (line 9); and one to await a small random amount of time and transmit the status packet (lines 11-16). The transmission (collapsed in line 15) is enclosed with a `par/and` that takes at least one minute before looping to avoid flooding the network. At any time, the client may request a retransmission (line 9), which terminates the `par/or` (line 8), aborts the ongoing transmission (line 15, if not idle), and restarts the loop (line 7). Also, the client may request to stop the whole protocol (line 5), which terminates the outermost `par/or` and aborts the transmission and all composed trails. In this case, the top-level loop restarts and waits for the next request to start the protocol (line 3), remaining unresponsive to other requests as specified.

<pre>var _message_t buffer; <fill-buffer-info> _send_enqueue(&buffer); await SEND_ACK;</pre>	<pre>var _message_t buffer; <fill-buffer-info> finalize _send_enqueue(&buffer) with _send_dequeue(&buffer); end await SEND_ACK;</pre>
--	--

Figure 6: Finalization clauses safely release low-level resources.

The example shows how parallel compositions can describe complex state machines in a structured way, eliminating the use of global state variables for this purpose [20].

2.2.1 Finalization

The CÉU compiler tracks the interaction of **par/or** compositions with automatic variables and stateful native *C* functions (e.g., device drivers) to ensure proper trail abortion.

Consider the code on the left of Figure 6, which expands the sending trail of Figure 5 (line 15). The `buffer` packet is a local variable whose pointer is passed to native function `_send_enqueue`. The call enqueues the pointer in the radio driver, which holds it up to the occurrence of `SEND_ACK` that acknowledges the packet transmission. In the meantime, the sending trail might be aborted from `STOP` or `RETRANSMIT` requests (lines 5 and 9 of Figure 5), making the packet buffer to go out of scope, and leading to a *dangling pointer* in the radio driver. CÉU refuses to compile programs like this and requires *finalization* clauses to accompany unsafe native calls [20]. The code on the right of Figure 6 properly dequeues the packet if the block of `buffer` goes out of scope.

Finalization clauses are fundamental to preserve the orthogonality of **par/or** compositions in SRP.

3. REACTIVE ABSTRACTIONS WITH ORGANISMS

TODO: + motivacao

Applications often need to replicate a behavior and rely on abstractions that the language provide. CÉU abstracts data and control state into the single concept of organisms. A class of organisms describes an interface and a single execution body. The interface exposes public variables, methods, and also internal events. The body can contain any valid code in CÉU, including parallel compositions. On an organism is instantiated, its body starts to execute in parallel with the program. Organism instantiation can be either static or dynamic.

The example of Figure 7 introduces static organisms through three code chunks:

- The leftmost code (*CODE-1*) blinks two LEDs with different frequencies in parallel and terminates after 1 minute.
- The code in the middle (*CODE-2*) abstracts the blinking LEDs in an organism class and uses two instances to reproduce the same behavior of *CODE-1*.
- The rightmost code (*CODE-3*) is the equivalent expansion without organisms, which should resemble the

original *CODE-1*.

In *CODE-2*, the `Blink` class (lines 1-9) exposes the `pin` and `dt` properties, corresponding to the LED I/O pin and blinking period, respectively. The application then creates two instances, specifying those properties in the constructors (lines 12-15 and 17-20). Inside constructors, the identifier `this` refers to the organism under instantiation. The constructors also start the organisms bodies (lines 5-8) to run in parallel in the background, i.e., both instances are already running before the `await 1min` (line 22).

CODE-3 is semantically equivalent to *CODE-2*, but with the organisms constructors and bodies expanded (lines 11-16 and 20-25). The generated **par/or** makes the instances and the rest of the application (i.e., `await 1min`, in line 28) concurrent. Note the `await FOREVER` statements (lines 17 and 26) to avoid the organisms bodies to terminate the **par/or**. The `_Blink` type (lines 1-4) corresponds to a simple datatype without an execution body. Note that actual implementation of CÉU does not expand the organisms bodies like in *CODE-3* (the implementation is not discussed in this paper). In fact, a class generates a single code for its body, which is shared by all instances, in the same way as objects share class methods.

The main distinction from organisms to standard objects is how they can react independently and directly to the environment, i.e., once instantiated they become alive and reactive (hence the name *organisms*). For instance, organisms need not be included in observer lists for events, or rely on the main program to feed their methods with input from the environment. Even though the organisms run independent from the main program, they are still subject to the disciplined synchronous model, which keeps the whole system deterministic.

The memory model for organisms eliminates known issues in allocation: *memory leaks*, *dangling pointers*, and the need for *garbage collection*. The model is similar to stack-living local variables of procedures, providing lexical scope and automatic bookkeeping of organisms. We also restrict explicit references to organisms to avoid indirect manipulation.

Regarding lexical scope and automatic memory management, note that *CODE-2* uses a **do-end** block (lines 11-23) that limits the scope of the organisms for 1 minute (line 22). During that period, the organisms are accessible (through `b1` and `b2`) and reactive to the environment. In the equivalent expansion of *CODE-3*, the **par/or** (lines 9-29) aborts the organisms bodies after that period (line 28), just before they go out of scope (line 30). In addition, the **par/or** termination properly triggers all active finalization clauses inside the organisms.

In addition to properties and methods, organisms also expose internal events which support `await` and `emit` operations. In the example of Figure 10 the class `Unit` (lines 1-16) defines the position property `pos` with default value `0` (line 2), and the event `move` which exposes requests to move the unit position (line 3). The main program (lines 18-28) creates two units and requests them to move to position `500` with a interval of 1 second. The body of the class initializes

```

1  par/or do
2    loop do
3      await 600ms;
4      _toggle(11);
5    end
6  with
7    loop do
8      await 1s;
9      _toggle(12);
10   end
11  with
12    await 1min;
13  end
14
15  /* CODE-1: original blinking */
16
17  1  class Blink with
18    2    var int pin;
19    3    var int dt;
20    4    do
21      5      loop do
22        6        await (dt)ms;
23        7        _toggle(pin);
24      end
25    end
26  end
27
28  10 do
29    12 var Blink b1 with
30      13   this.pin = 11;
31      14   this.dt = 600;
32    end;
33
34    17 var Blink b2 with
35      18   this.pin = 12;
36      19   this.dt = 1000;
37    end;
38
39    22 await 1min;
40  end
41
42  /* CODE-2: blinking organisms */
43
44  1  struct _Blink with
45    2    var int pin;
46    3    var int dt;
47  end;
48
49  6 do
50    7 var _Blink b1, b2;
51
52    9 par/or do
53      10 // body of b1
54      11 b1.pin = 0;
55      12 b1.dt = 2;
56      13 loop do
57        14   await (b1.dt)ms;
58        15   _toggle(b1.pin);
59      end
60      17 await FOREVER;
61
62    18 with
63      19 // body of b2
64      20 b2.pin = 1;
65      21 b2.dt = 4;
66      22 loop do
67        23   await (b2.dt)ms;
68        24   _toggle(b2.pin);
69      end
70      26 await FOREVER;
71
72    27 with
73      28   await 1min;
74    end
75  end
76
77  end
78
79  /* CODE-3: organisms expansion */

```

Figure 7: Two blinking LEDs using organisms.

the current unit’s destination position `dst` to the current position (line 5). Then, the body enters in a continuous loop (lines 6-15) to handle `move` requests (line 8) while performing the actual moving operation (lines 10-13) in parallel. The `par/or` restarts the loop on every `move` request, which updates the `dst` position. The moving operation can be as complex as needed, for example, using another loop to apply physics over time. The `await FOREVER` (line 13) halts the trail after the move completes. An advantage of event handling over method calls is that they can be composed in the organism body to affect other ongoing operations. In the example, the `await move` (line 8) aborts and restarts the moving operation, just like the timeout pattern of Figure 4.

3.1 Dynamic organisms

TODO: motivation, importance in reactive apps

CÉU also supports dynamic instantiation of organisms through the `spawn` primitive. The example of Figure ?? spawns a new instance of `Unit` on every second and moves it to a random position. A `spawn` returns a pointer to the new organism, which can be dereferenced through the operator `:` (the same as `->` in C/C++).

Dynamic instances also execute in parallel with the rest of the application, but differ on scoping and lifetime rules. They also introduce pointers, which.

TODO

3.1.1 Pools

3.1.2 Pointers and References

TODO

4. RELATED WORK

TODO

TODO: functor tablets paper

5. CONCLUSION

TODO

6. REFERENCES

- [1] erlang manual. http://www.erlang.org/doc/reference_manual/processes.html (accessed in Aug-2014).
- [2] UNIX man page for `pthread_cancel`. `man pthread_cancel`.
- [3] A. Adya et al. Cooperative task management without manual stack management. In *ATEC’02*, pages 289–302. USENIX Association, 2002.
- [4] A. Benveniste et al. The synchronous languages twelve years later. In *Proceedings of the IEEE*, volume 91, pages 64–83, Jan 2003.
- [5] G. Berry. Preemption in concurrent systems. In *FSTTCS*, volume 761 of *Lecture Notes in Computer Science*, pages 72–93. Springer, 1993.
- [6] F. Boussinot and R. de Simone. The Esterel language. *Proceedings of the IEEE*, 79(9):1293–1304, Sep 1991.
- [7] E. Czaplicki and S. Chong. Asynchronous functional reactive programming for guis. In *PLDI’13*, pages 411–422, 2013.
- [8] M. de Icaza. Callbacks as our generations’ go to statement. <http://tirania.org/blog/archive/2013/Aug-15.html> (accessed in Aug-2014), 2013.
- [9] E. W. Dijkstra. Letters to the editor: go to statement

```

1 class Unit with
2   var int pos = 0;
3   event int move;
4 do
5   var int dst = this.pos;
6   loop do
7     par/or do
8       dst = await this.move;
9     with
10      if dst != pos then
11        <code-to-move-pos-to-dst>
12      end
13      await FOREVER;
14    end
15  end
16 end
17
18 var Unit u1 with
19   this.pos = 100;
20 end;
21
22 var Unit u2 with
23   this.pos = 200;
24 end;
25
26 emit u1.move => 500;
27 await 1s;
28 emit u2.move => 500;

```

Figure 8: Organism manipulation through interface events.

```

every 1s do
  var Unit* u = spawn Unit with
    this.pos = _rand() % 500;
  end;
  emit u:move => _rand() % 500;
end

```

Figure 9: Spawns and moves a new Unit every second.

considered harmful. *Communications of the ACM*, 11(3):147–148, 1968.

- [10] E. W. Dijkstra, E. W. Dijkstra, and E. W. Dijkstra. *Notes on structured programming*. Technological University Eindhoven Netherlands, 1970.
- [11] Elm Language Web Site. Escape from callback hell. <http://elm-lang.org/learn/Escape-from-Callback-Hell.elm> (accessed in Aug-2014).
- [12] O. Gnawali et al. Collection tree protocol. In *Proceedings of SenSys’09*, pages 1–14. ACM, 2009.
- [13] N. Halbwachs et al. The synchronous data-flow programming language LUSTRE. *Proceedings of the IEEE*, 79:1305–1320, September 1991.
- [14] C. A. R. Hoare. Communicating sequential processes. *Communications of the ACM*, 21(8):666–677, 1978.
- [15] I. Maier, T. Rompf, and M. Odersky. Deprecating the observer pattern. Technical report, 2010.
- [16] L. A. Meyerovich, A. Guha, J. Baskin, G. H. Cooper, M. Greenberg, A. Bromfield, and S. Krishnamurthi. Flapjax: a programming language for ajax applications. In *ACM SIGPLAN Notices*, volume 44, pages 1–20. ACM, 2009.
- [17] ORACLE. Java thread primitive deprecation. <http://docs.oracle.com/javase/6/docs/technotes/guides/concurrency/threadPrimitiveDeprecation.html> (accessed in Aug-2014), 2011.
- [18] D. Potop-Butucaru et al. The synchronous hypothesis and synchronous languages. In R. Zurawski, editor, *Embedded Systems Handbook*. 2005.
- [19] G. Salvaneschi, G. Hintz, and M. Mezini. Rescala: Bridging between object-oriented and functional style in reactive applications. In *Proceedings of the 13th international conference on Modularity*, pages 25–36. ACM, 2014.
- [20] F. Sant’Anna et al. Safe system-level concurrency on resource-constrained nodes. In *Proceedings of SenSys’13*. ACM, 2013.
- [21] Z. Wan and P. Hudak. Functional reactive programming from first principles. *SIGPLAN Notices*, 35(5):242–252, 2000.

```

loop do
  pool Unit[10] units;
  par/or do
    every 1s do
      var Unit* u = spawn Unit in units with
        this.pos = _rand() % 500;
      end;
      emit u:move => _rand() % 500;
    end
    with
      await CLICK;
    end
  end
end

```

Figure 10: Spawns and moves a new Unit every second.